

वरसाय की संधि

हाल ही में वरसाय की संधि की वर्षगांठ मनाई गई जिस पर 28 जून 1919 को फ्रांस के पेरिस में संधि वरसाय पैलेस में हस्ताक्षर किये गए थे।

- यह उन संधियों में से एक थी जिसने आधिकारिक तौर पर पाँच वर्षों तक जारी संघर्ष अर्थात् प्रथम विश्व युद्ध (1914-18) को समाप्त कर दिया।
- इस संधि में जर्मनी और वजियी मतिर राष्ट्रों, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस तथा यूनाइटेड किंगडम शामिल थे, के बीच शांति की शर्तों का उल्लेख किया गया था।
- इस संधि के युद्ध अपराधबोध अनुच्छेद (War Guilt Clause) के तहत प्रथम विश्व युद्ध के कारण हुई साड़ी तबाही के लिये जर्मनी और अन्य केंद्रीय शक्तियों (जैसे- ऑस्ट्रिया-हंगरी) को ज़िम्मेदार ठहराया गया।
- इसके कारण कषेत्तर अतकिरण, सैन्य बलों में कमी और जर्मनी द्वारा मतिर राष्ट्रों को कषतपूरति भुगतान करना पड़ा।
- जर्मन आबादी के वघिटन को बाद में हटिलर ने जर्मन आक्रमण और वसितार को सही सिद्ध करने के लिये किया।
- इसने पूरे यूरोपीय अर्थव्यवस्था के लिये गंभीर जोखिम उत्पन्न किया जिसके कारण वर्ष 1929 की महामंदी हुई।
- इस संधि ने जर्मनों में नाराज़गी पैदा की जिन्होंने इसे एक नरिधारति शांति के रूप में देखा और इसे द्वितीय विश्व युद्ध के कारणों में से एक माना जाता है।
- इससे जर्मन लोग क्रोधित हुए और उन्होंने इसे एक जबरन लागू की गई शांति के रूप में देखा और साथ ही इसे द्वितीय विश्व युद्ध के कारणों में से एक माना जाता है।
- इसके अतिरिक्त, इस संधि के कारण राष्ट्र संघ का गठन हुआ।

और पढ़ें: [प्रथम विश्व युद्ध](#)

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/treaty-of-versailles>